

ष

*ष (अक्षरविकास)-ष १. षटिका-अ ४८६. षट्काल-गोविंद-वि.५ पृ.१८६. -कुल कनौजिय-
क ३२२ -कोनाकृति-ख ५१. -चक्रनिरूपण-त १२. -तिला-ए ५. -पंचाशिका-वि.५
पृ.३०९,३७१. -पद-क ५०५ स ४२. -पितापुत्रक-र ६७. -स्थल-क ३००. षडक्षर-क ३१०.
-देव-क २२९,३०४. षडानन-क ४००,६१४. षडाक्षरी मंत्र-व १७०. षड्ज-वि.५ पृ.१७६ स
१७,१८,२१. षड्ढोतृ मंत्र-वि.२ पृ.१११-२. षड्दल-व ५७. षड्बौद्धिक-न १८४.
षडरागचंद्रोदय-वि.५ पृ.१८४. षड्ांत्र-वि.२ पृ.१००,४०४. षड्विंश-वि.२ पृ.१५१ वि.५
पृ.१६१. षढसमागम-क ३७५. षण्मुख-अ ४४७ क ४०० च २२ प १०६. षण्ठ-देव-क
२९,३२. -मूळ -अं १९. -रज्जू-स १२९. षण्ठीयंत्र-स २७९. षाडव औडुव-र ४३ स १९,२२.
षाड्गुण्य-अ ४५,४३६. षाड्जी-स २१. षाण्भातुर-क ६१४. षिवडै-न ३१०. षोडश
प्रतिमालक्षण-श ७२. षोडशांक-अं ७. षोडशी-वि.२ पृ.२३,८७,९९.